Further areas of total 2580 sq. kms were surveyed for groundwater.

Apart from these, 45 LIPs were taken up in Koiaput district under the Area Development Approach or Poverty Termination (ADAPT), with special Central Assistance.
Other works were executed under Drought

इसबगोल का उत्पादन

1166. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के किन-किन क्षेत्रों में इसबगोल (घोड़ा जीरा) की खेती होती है और देश में इसका कितना उत्पादन होता है और पिछले तीन वर्षों के दौरान इसका बाजार-भाव क्या था ; और

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान इसबगोल की कीमतों में कोई कमी आयी, यदि हां, तो इसके क्या कारण थे और सरकार द्वारा इस संबंध में किसानों की क्षतिपूर्ति करने के लिए क्या कदम उठाये गए ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) इसबगोल का उत्पादन मुख्य रूप से गुजरात और राजस्थान में होता है, जो देश के उत्पादन का क्रमशः लगभग 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत उत्पादन करते हैं । इसके उत्पादन के वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, चूंकि यह पूर्वानुमान वाली फ़सल नहीं है । मोटे अनुमान के अनुसार, 1989–90, 1988–89 और 1987–88 के दौरान गुजरात में इसबगोल का उत्पादन क्रमशः 10,500, 24,200 और 13,600 मीटरी टन हुआ । इसबगोल के निर्यातोन्मुखी जिन्स होने के कारण इसकी दरें निर्यात सम्बन्धी मांग द्वारा काफ़ी प्रभावित होती हैं । तथापि, ये दरें 1989 में 400 रुपए से 1104 रुपये प्रति क्विंटल, 1988 में 750 रुपए से 1700 रुपए प्रति क्विंटल और 1987 में 700 रुपये से 1550 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहीं । अच्छे फ़सल वर्ष के दौरान औसत दरें गुणवत्ता के आधार पर 600 रुपए से 1200 रुपए प्रति क्विंटल की रेंज में रहती हैं ।
ReUet during 19&1-88.

(ख) 1989 के दौरान, विदेशी बाजार में मांग के कम होने के कारण कीमतें 1988 की कीमतों की तुलना में कुछ कम थीं जोकि सूखे के कारण अपवाद स्वरूप अधिक रहीं थीं ।

सरकार ने किसानों को बेहतर कीमतें देने के लिए प्रोत्साहन देने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं :

(1) 7 जुलाई, 1989 से, न्यूनतम निर्यात मूल्य 3 श्रेणियों में अर्थात् 98 प्रतिशत, 95 प्रतिशत और 85 प्रतिशत शुद्धता पर क्रमशः 3.20, 3.00 और 2.80 अमरीकी डालर की प्रति किलोग्राम पोत पर्यन्त निःशुल्क की लागत पर निर्धारित किए गए हैं ।

(2) केन्द्रीय सरकार ने गुजरात और राजस्थान की राज्य सरकारों को सलाह दी है कि वे ईसबगोल के क्षेत्र में सहकारी समितियों की स्थापना करें ताकि वे स्थानीय बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने के योग्य हो सकें ; और

(3) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ईसबगोल का सुधार करने के लिए आनन्द, गुजरात स्थित आल इण्डिया कोआरडिनेटिड प्रोजेक्ट आन मेडिसनल एंड एरोमेटिक प्लान्टस के अधीन एक कार्यक्रम क्रियान्वित कर रहा है तथा इसने अधिक उपज देने वाली दो किस्मों का विकास किया है ।

Reclassification of the post of Sr. A.S.M.

1167. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of RAILWAYS bo pleased to state:

(a) whether it is a fact that a dispute was raised by the All India Station Master's Association, Asansol Division regarding the reclassification of the post of Sr. Assistant Station Master Central Cabin Andal in the year 1982;

(b) whether it is also a fact that job analysis was conducted for this juirpose thrice by Regional Labour Commissioner (c) Asansol and it was proved that the Classification should be intensive instead of continuous;